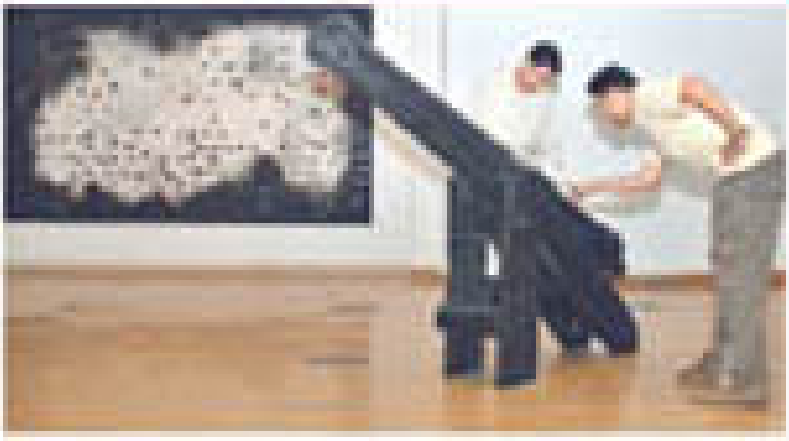

भाव और प्रभाव की पेशकश

दरअसल ही में इंडिया हैबिटैट सेंटर में इंटरनैशनल आर्टिस्ट्स कलेक्ट के अन्तर्गत कलाकार केरोलिन और विलमोर ने एक कला प्रदर्शनी लगाई है। इस प्रदर्शनी में आई इंडिया सेंटर, अहमदाबाद के सहयोग से अन्तर्गत कलाकारों का काम दिखाया गया है।

इस प्रदर्शनी में दोनों कलाकारों ने अपनी-अपनी कलाकारियां प्रदर्शित किया है। केरोलिन ने अपनी प्रदर्शनी में विभिन्न मीडियम यानि कागज भारतीय जीवन के अनुभवों के बारों को प्रदर्शनी गतिविधियों को प्रकट किया है।

प्रकृति मानव यह है यह अनन्त किसी एक व्यक्ति अपि रख नहीं है। उसके भी भाव, दुःखानुभूति, विस्मृति अपि कई गतिशीलताएं होती है। मानव यहां प्रकृत्य अन्य व अपेक्षा के यह विलक्षित में अनन्त लक्षणिका एवं विद्वित मानवता में भी दिन रात के लिए यहां है।

लेकिन मानव के पाने आज दो विचार के चलते ही केरोलिन यहां तक पहुंचे हैं। अपनी प्रदर्शनी में प्रदर्शित मीडियमों, इंस्टालेशन एवं पेंटिंगों का इस्तेमाल किया है। वह चाहते हैं कि लोग यहां यह भी अनुभव यहां हैं प्रकृति दुनिया अपि भावों की अवस्था अन्य। इसलिए प्रदर्शनी अपनी प्रदर्शनी का नाम रखा है 'यू कैनट अवॉयड टू हैव इमोशंस आगेन्स्ट दिस'।

विलमोर की प्रदर्शनी में मानव दुःखानुभूति अपि भावों की कला के माध्यम से प्रदर्शित किया है। इसी के साथ प्रदर्शनी दिख रहा यह पीछे भारतीय कलाकारों में आकृतियां अपि लगाई जाती है, यह भी दिखाया है विलमोर ने पत्ती, तीलियां अपि कई चीजों को एक कहानी के रूप में प्रस्तुत है।

प्रदर्शनी लगभग, मेहता एवं कई अन्य चीजों का इस्तेमाल किया है। इस प्रदर्शनी में आना केरोलिन कई अन्य विषयों को देखे कि एक एक ए मीडियम को भी अपनी कला द्वारा प्रस्तुत चाहते हैं। यह प्रदर्शनी इंडिया हैबिटैट सेंटर की विशेषज्ञ अपनी गैलरी में चल रही है अपि 13 जून तक लगे इसे देख सकते हैं। इस अनुभूत प्रदर्शनी को न सिर्फ मानव एक अपनेपन अवस्था को दर्शाए देते हैं।

दीपक मलिक

फोटो: राजेश कटारा